अंगूर का दाना-3

"मैंने उसे बाजू से पकड़ कर उठाया और इस तरह अपने आप से चिपकाए हुए वाशबेसिन की ओर ले गया कि उसका कमसिन बदन मेरे साथ चिपक ही गया। मैं अपना बायाँ हाथ उसकी बगल में करते हुए उसके उरोजों तक ले आया। ..."

Story By: (premguru2u)
Posted: Friday, January 7th, 2011
Categories: नौकर-नौकरानी
Online version: अंगूर का दाना-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अंगूर का दाना-3

प्रेम गुरु की कलम से
उस रात मुझे और अंगूर को नींद भला कैसे आती दोनों की आँखों में कितने रंगीन सपने जो थे। यह अलग बात थी कि मेरे और उसके सपने जुदा थे।

यह साला बांके बिहारी सक्सेना (हमारा पड़ोसी) भी उल्लू की दुम ही है। रात को 12 बजे भी गाने सुन रहा है :

आओगे जब तुम हो साजना
अंगना… फूल… खिलेंगे…

सच ही है मैं भी तो आज अपनी इस नई शहजादी जोधा बनाम अंगूर के आने की कब से बाट जोह रहा हूँ।

रविवार सुबह सुबह नौ बजे ही मधु के भैया भाभी आ धमके। अंगूर टीवी और सीडी प्लेयर लेकर घर चली गई थी। मधु ने उसे दो-तीन घंटे के लिए घर भेज दिया ताकि उसे घर वालों की याद ना सताए।

मधु की नज़र में तो वह निरी बच्ची ही थी। उसे मेरी हालत का अंदाज़ा भला कैसे हो सकता था। मेरे लिए तो यह रविवार बोरियत भरा ही था। अंगूर के बिना यह घर कितना सूना सा लगता है मैं ही जानता हूँ। बस अब तो सारे दिन रमेश और सुधा को झेलने वाली बात ही थी।

वो शाम को वापस जाने वाले थे। मधु के लिए कुछ दवाइयाँ भी खरीदनी थी और राशन भी लेना था इसलिए मधुर ने अंगूर को भी हमारे साथ कार में भेज दिया। उन दोनों को गाड़ी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

में बैठाने के बाद जब मैं स्टेशन से बाहर आया तो अंगूर बेसब्री से कार में बैठी मेरा इंतज़ार कर रही थी।

'आपने तो बहुत देर लगा दी ? दीदी घर पर अकेली होंगी मुझे जाकर खाना भी बनाना है ?'
'अरे मेरी रानी तुम चिंता क्यों करती हो ? खाना हम होटल से ले लेंगे' मैंने उसके गालों को थपथपाते हुए कहा 'अच्छा एक बात बताओ ?'

उसके गाल तो रक्तिम ही हो गए। उसने मुस्कुराते हुए पूछा 'क्या ?'
'तुम्हें खाने में क्या क्या पसंद है ?'
'मैं तो कड़ाही पनीर और रसमलाई की बहुत शौक़ीन हूँ।'
'हूँ...' मैंने मन में तो आया कह दूं 'मेरी जान रसमलाई तो में तुम्हें बहुत ही बढ़िया और गाढ़ी खिलाऊँगा' पर मैंने कहा 'और नमकीन में क्या पसंद हैं ?'

'न... नमकीन में तो मुझे तीखी मिर्ची वाले चिप्स और पानीपूरी बहुत अच्छे लगते हैं'
'चलो आज फिर पानीपूरी और चिप्स ही खाते हैं। पर मिर्ची वाली चिप्स खाने से तुम्हारे होंठ तो नहीं जल जायेगे ?' मैंने हँसते हुए कहा
'तो क्या हुआ... आप... उनको भी मुँह में लेकर चूस देना या थूक लगा देना ?' वो हंसते हुए बोली।

आईला आआआ... मैं तो इस फिकरे पर मर ही मिटा। जी में तो आया अभी कार में इस मस्त चिड़िया को चूम लूं पर सार्वजनिक जगह पर ऐसा करना ठीक नहीं था। मैंने अपने आप को बड़ी मुश्किल से रोका। मैंने अपने आप को समझाया कि बस अब तो इन रसभरे होंठों को चूम लेने का समय आने ही वाला है थोड़ी देर और सही।

रास्ते में हमने पानीपूरी, आइस क्रीम और रसमलाई खाई और रात के लिए होटल से खाना पैक करवा लिया। मैंने उसके लिए एक कलाई घड़ी, रंगीन चश्मा और चूड़ियाँ भी खरीदी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसकी पसंद के माहवारी पैड्स भी लिए। पहले तो मैंने सोचा इसे यहीं दे दूं फिर मुझे ख़याल आया ऐसा करना ठीक नहीं होगा। अगर मधुर को जरा भी शक हो गया तो मेरा किया कराया सब मिट्टी हो जाएगा।

आप शायद हैरान हुए सोच रहे होंगे इन छोटी छोटी बातों को लिखने का यहाँ क्या तुक है। ओह… आप अभी इन बातों को नहीं समझेंगे। मैंने उसके लिए दो सेट ब्रा और पेंटीज के भी ले लिए।

जब मैंने उसे यह समझाया कि इन ब्रा पेंटीज के बारे में मधु को मत बताना तो उसने मेरी ओर पहले तो हैरानी से देखा फिर रहस्यमई ढंग से मुस्कुराने लगी। उसके गाल तो इस कदर लाल हो गए थे जैसे करीना कपूर के फिल्म जब वी मेट में शाहिद कपूर को चुम्मा देने के बाद हो गए थे।

कार में वो मेरे साथ आगे वाली सीट पर बैठी तीखी मिर्च वाली चिप्स खा रही थी और सी सी किये जा रही थी। मैंने अच्छा मौका देख कर उस से कहा ‘अंगूर ! अगर चिप्स खाने से होंठों में ज्यादा जलन हो रही है तो बता देना मैं चूम कर थूक लगा दूंगा ?’

पहले तो वो कुछ समझी नहीं बाद में तो उसने दोनों हाथों से अपना चेहरा ही छिपा लिया।

हाय अल्लाह…… मेरा दिल इतनी जोर से धड़कने लगा और साँसें तेज़ हो गई कि मुझे तो लगने लगा मैं आज कोई एक्सीडेंट ही कर बैठूँगा। एक बार तो जी में आया अभी चलती कार में ही इसे पकड़ कर रगड़ दूं। पर मैं जल्दबाजी में कोई काम नहीं करना चाहता था।

रात को जब अंगूर बाहर बैठी टीवी देख रही थी मधुर ने बहुत दिनों बाद जम कर मेरा लंड चूसा और सारी की सारी रसमलाई पी गई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अगले दो तीन दिन तो दफ्तर काम बहुत ज्यादा रहा। मैं तो इसी उधेड़बुन में लगा रहा कि किस तरह अंगूर से इस बाबत बात की जाए। मुझे लगता था कि उसको भी मेरी मनसा का थोड़ा बहुत अंदाजा तो जरूर हो ही गया है। जिस अंदाज़ में वो आजकल मेरे साथ आँखें नचाती हुई बातें करती है मुझे लगता है वो जरूर मेरी मनसा जानती है।

अब तो वो अपने नितम्बों और कमर को इस कदर मटका कर चलती है जैसे रैम्प पर कोई हसीना कैटवाक कर रही हो। कई बार तो वो झाड़ू लगाते या चाय पकड़ाते हुए जानबूझ कर इतनी झुक जाती है कि उसके उरोज पूरे के पूरे दिख जाते हैं। फिर मेरी ओर कनखियों से देखने का अंदाज़ तो मेरे पप्पू को बेकाबू ही कर देता है।

मेरे दिमाग में कई विचार घूम रहे थे। पहले तो मैंने सोचा था कि मधु को रात में जो दर्द निवारक दवा और नींद की गोलियाँ देते हैं किसी बहाने से अंगूर को भी खिला दूं और फिर रात में बेहोशी की हालत में सोये अंगूर के इस दाने का रस पी जाऊँ। पर… वो तो मधुर के साथ सोती है… ?

दूसरा यह कि मैं रात में मधुर के सोने के बाद डीवीडी प्लेयर में कोई ब्लू फिल्म लगाकर बाथरूम चला जाऊँ और पीछे से अंगूर उसे देख कर मस्त हो जाए। पर इसमें जोखिम भी था। क्यों ना अनारकली से इस बाबत बात की जाये और उसे कुछ रुपयों का लालच देकर उसे इस काम की जिम्मेदारी सोंपी जाए कि वो अंगूर को किसी तरह मना ले।

पर मुझे नहीं लगता कि अनारकली इसके लिए तैयार होगी। औरत तो औरत की दुश्मन होती है वो कभी भी ऐसा नहीं होने देगी। हाँ अगर मैं चाहूँ तो उसको भले ही कितनी ही बार आगे और पीछे दोनों तरफ से रगड़ दूँ वो खुशी खुशी सब कुछ करवा लेगी।

ओह… कई बार तो मेरे दिमाग काम करना ही बंद कर देता है। मैंने अब तक भले ही कितनी ही लड़कियों और औरतों को बिना किसी लाग लपट और झंझट के चोद लिया था

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

और लगभग सभी की गांड भी मारी थी पर इस अंगूर के दाने ने तो मेरा जैसे जीना ही हराम कर दिया है।

एक बार ख़याल आया कि क्यों ना इसे भी लिंग महादेव के दर्शन कराने ले जाऊँ। मेरे पास मधुर के लिए मन्नत माँगने का बहुत खूबसूरत बहाना भी था। और फिर रास्ते में मैं अपनी पैंट की जिप खोल दूंगा और मोटर साइकिल पर मेरे पीछे बैठी इस चिड़िया को किसी मोड़ या गड्ढे पर इतना जोर से उछालूँ कि उसके पास मेरी कमर और लंड को कस कर पकड़ लेने के अलावा कोई चारा ही ना बचे। एक बार अगर उसने मेरा खड़ा लंड पकड़ लिया तो वो तो निहाल ही हो जायेगी। और उसके बाद तो बस सारा रास्ता ही जैसे निष्कंटक हो जाएगा।

काश कुछ ऐसा हो कि वो अपने आप सब कुछ समझ जाए और मुझे खुशी खुशी अपना कौमार्य समर्पित कर दे। काश यह अंगूर का गुच्छा अपने आप मेरी झोली में टपक जाए।

मेरी प्यारी पाठिकाओ! आप मेरे लिए आमीन (तथास्तु-भगवान् करे ऐसा ही हो) तो बोल दो प्लीज। अब तो जो होगा देखा जाएगा। मैंने तो ज्यादा सोचना ही बंद कर दिया है।

ओह… पता नहीं इस अंगूर के गुच्छे के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ेंगे। कई बार तो ऐसा लगता है कि वो मेरी मनसा जानती है और अगर मैं थोड़ा सा आगे बढ़ूँ तो वो मान जायेगी। पर दूसरे ही पल ऐसा लगता है जैसे वो निरी बच्ची ही है और मेरा प्यार से उसे सहलाना और मेरी चुहलबाजी को वो सिर्फ मज़ाक ही समझती है। अब कल रात की ही बात लो। वो रसोई में खाना बना रही थी। मैंने उसके पीछे जाकर पहले तो उसकी चोटी पकड़ी फिर उसके गालों पर चुटकी काट ली।

‘उई… अम्मा…ऽऽ!’
‘क्या हुआ ?’

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘आप बहुत जोर से गालों को दबाते हैं… भला कोई इतनी जोर से भींचता है ?’ उसने उलाहना दिया।
‘चलो अबकी बार प्यार से सहलाऊँगा…!’
‘ना… ना… अभी नहीं… मुझे खाना बनाने दो। आप बाहर जाओ अगर दीदी ने देख लिया तो आपको और मुझे मधु मक्खी की तरह काट खायेंगी या जान से मार डालेंगी!’

जिस अंदाज़ में उसने यह सब कहा था मुझे लगता ही वो मान तो जायेगी बस थोड़ी सी मेहनत करनी पड़ेगी।

शनिवार था, शाम को जब मैं घर आया तो पता चला कि दिन में कपड़े बदलते समय मधु का पैर थोड़ा हिल गया था और उसे बहुत जोर से दर्द होने लगा था।
फिर मैं भागा भागा डाक्टर के पास गया। उसने दर्द और नींद की दवा की दोगुनी मात्रा दे देने को कह दिया। अगर फिर भी आराम नहीं मिले तो वो घर आकर देख लेगा। मधु को डाक्टर के बताये अनुसार दवाई दे दी और फिर थोड़ी देर बाद मधु को गहरी नींद आ गई।

इस भागदौड़ में रात के 10 बज गए। तभी अंगूर मेरे पास आई और बोली- दीदी ने तो आज कुछ खाया ही नहीं! आपके लिए खाना लगा दूं ?’
‘नहीं अंगूर मुझे भी भूख नहीं है!’
‘ओह… पता है मैंने कितने प्यार से आपकी मनपसंद भरवाँ भिन्डी बनाई है!’
‘अरे वाह… तुम्हें कैसे पता मुझे भरवाँ भिन्डी बहुत पसंद है ?’
‘मुझे आपकी पसंद-नापसंद सब पता है!’ उसने बड़ी अदा से अपनी आँखें नचाते हुए कहा। वह अपनी प्रशंन्सा सुनकर बहुत खुश हो रही थी।

‘तुमने उसमें 4-5 बड़ी बड़ी साबुत हरी मिर्चें डाली हैं या नहीं ?’
‘हाँ डाली है ना! वो मैं कैसे भूल सकती हूँ ?’
‘वाह… फिर तो जरूर तुमने बहुत बढ़िया ही बनाई होगी!’

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘अच्छा… जी… ?’

‘क्योंकि मैं जानता हूँ तुम्हारे हाथों में जादू है !’
‘आपको कैसे पता ? मेरा मतलब है वो कैसे… ?’
‘वो उस दिन की बात भूल गई ?’
‘कौन सी बात ?’

‘ओह… तुम भी एक नंबर की भुल्लकड़ हो ? अरे भई उस दिन मैंने तुम्हारी अंगुली मुँह में लेकर चूसी जो थी। उसका मिठास तो मैं अब तक नहीं भूला हूँ !’
‘अच्छा… वो… वो… ओह…’ वह कुछ सोचने लगी और फिर शरमा कर रसोई की ओर जाने लगी। जाते जाते वो बोली- आप हाथ मुँह धो लो, मैं खाना लगाती हूँ !’

वो जिस अंदाज़ में मुस्कुरा रही थी और मेरी ओर शरारत भरे अंदाज़ में कनखियों से देखती हुई रसोई की ओर गई थी, यह अंदाज़ा लगाना कत्तई मुश्किल नहीं था कि आज की रात मेरे और उसके लिए ख़्वाबों की हसीन रात होगी।

बाथरूम में मैं सोच रहा था यह कमसिन, चुलबुला, नादान और खट्टे मीठे अंगूर का गुच्छा अब पूरी तरह से पक गया है। अब इसके दानों का रस पी लेने का सही वक़्त आ गया है…

अंगूर ने डाइनिंग टेबल पर खाना लगा दिया था और मुझे परोस रही थी। उसके कुंवारे बदन से आती मादक महक से मेरा तो रोम रोम ही जैसे पुलकित सा हो कर झनझना रहा था। जैसे रात को अमराई (आमों के बाग़) से आती मंजरी की सुगंध हो।

आज उसने फिर वही गहरे हरे रंग की जोधपुरी कुर्ती और गोटा लगा घाघरा पहना था। पता नहीं लहंगे के नीचे उसने कच्छी डाली होगी या नहीं ? एक बार तो मेरा मन किया उसे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पकड़ कर गोद में ही बैठा लूं। पर मैंने अपने आप को रोक लिया।

'अंगूर तुम भी साथ ही खा लो ना ?'
'मैं ?' उसने हैरानी से मेरी ओर देखा
'क्यों... क्या हुआ ?'
'वो... वो... मैं आपके साथ कैसे... ?' वह थोड़ा संकोच कर रही थी।

मैं जानता था अगर मैंने थोड़ा सा और जोर दिया तो वो मेरे साथ बैठ कर खाना खाने को राज़ी हो जायेगी। मैंने उसका हाथ पकड़ कर बैठाते हुए कहा 'अरे इसमें कौन सी बड़ी बात है ? चलो बैठो !'

अंगूर सकुचाते हुए मेरे बगल वाली कुर्सी पर बैठ गई। उसने पहले मेरी थाली में खाना परोसा फिर अपने लिए डाल लिया। खाना ठीक ठाक बना था पर मुझे तो उसकी तारीफ़ के पुल बांधने थे। मैंने अभी पहला ही निवाला लिया था कि तीखी मिर्च का स्वाद मुझे पता चल गया।

'वाह अंगूर ! मैं सच कहता हूँ तुम्हारे हाथों में तो जादू है जादू ! तुमने वाकई बहुत बढ़िया भिन्डी बनाई है !'
'पता है यह सब मुझे दीदी ने सिखाया है !'
'अनार ने ?'
'ओह... नहीं... मैं मधुर दीदी की बात कर रही हूँ। अनार दीदी तो पता नहीं आजकल मुझ से क्यों नाराज रहती है ? वो तो मुझे यहाँ आने ही नहीं देना चाहती थी !' उसने मुँह फुलाते हुए कहा।

'अरे... वो क्यों भला ?' मैंने हैरान होते पूछा।
'ओह... बस... आप उसकी बातें तो रहने ही दो। मैं तो मधुर दीदी की बात कर रही थी। वो

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तो अब मुझे अपनी छोटी बहन की तरह मानने लगी हैं।'
'फिर तो बहुत अच्छा है।'

'कैसे ?'
'मधुर की कोई छोटी बहन तो है नहीं ? चलो अच्छा ही है इस बहाने मुझे भी कम से कम एक खूबसूरत और प्यारी सी साली तो मिल गई।'

उसने मेरी ओर हैरानी से देखा।
मैंने बात जारी रखी 'देखो भई अगर वो तुम्हें अपनी छोटी बहन मानती है तो मैं तो तुम्हारा जीजू ही हुआ ना ?'
'ओह्हो...!'

'पता है जीजू साली का क्या सम्बन्ध होता है ?'
'नहीं मुझे नहीं मालूम ! आप ही बता दो !' वो अनजान बनने का नाटक करती मंद मंद मुस्कुरा रही थी।
'तुम बुरा तो नहीं मान जाओगी ?'
'मैंने कभी आपकी किसी बात का बुरा माना है क्या ?'

'ओह... मेरी प्यारी साली जी... तुम बहुत ही नटखट और शरारती हो गई हो आजकल !' मैंने उसकी पीठ पर हल्का सा धौल जमाते हुए कहा।
'वो कैसे ?'

'देखो तुमने वो मधु द्वारा छोटी बहन बना लेने वाली बात मुझे कितने दिनों बाद बताई है ?'
'क्या मतलब ?'
'ओह... मैं इसीलिए तो कहता हूँ तुम बड़ी चालाक हो गई हो आजकल। अब अगर तुम मधुर को अपनी दीदी की तरह मानती हो तो अपने जीजू से इतनी दूर दूर क्यों रहती हो ?'

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘नहीं तो… मैं तो आपको अपने सगे जीजू से भी अधिक मानती हूँ। पर वो तो बस मेरे पीछे ही पड़ा रहता है!’
‘अरे… वो किस बात के लिए?’
‘बस आप रहने ही दो उसकी बात तो… वो… तो…वो… तो बस एक ही चीज के पीछे…!’

मेरा दिल जोर से धड़कने लगा। कहीं उस साले टीटू के बच्चे ने इस अंगूर के दाने को रगड़ तो नहीं दिया होगा। अनारकली शादी के बाद शुरू शुरू में बताया करती थी कि टीटू कई बार उसकी भी गांड मारता है उसे कसी हुई चूत और गांड बहुत अच्छी लगती है।

मैंने फिर से उसे कुरेदा ‘ओह… अंगूर…अब इतना मत शरमाओ प्लीज बता दो ना?’
‘नहीं मुझे शर्म आती है… एक नंबर का लुच्चा है वो तो!’

उसके चहरे का रंग लाल हो गया था। साँसें तेज़ हो रही थी। वो कुछ कहना चाह रही थी पर शायद उसे बोलने में संकोच अनुभव हो रहा था। मैं उसके मन की दुविधा अच्छी तरह जानता था। मैंने पूछा ‘अंगूर एक बात बताओ?’
‘क्या?’
‘अगर मैं तुमसे कुछ मांगूं या करने को कहूं तो तुम क्या करोगी?’
‘आपके लिए तो मेरी यह जान भी हाज़िर है!’

‘अरे मेरी जान मैं तुम्हारी जान लेकर क्या करूँगा मैं तो उस अनमोल खजाने की बात कर रहा हूँ जो तुमने इतने जतन से अभी तक संभाल कर रखा है।’ अचानक मेरे दिमाग में एक योजना घूम गई। मैंने बातों का विषय बदला और उस से पूछा ‘अच्छा चलो एक बात बोलूँ अंगूर?’
‘क्या?’
‘तुम इन कपड़ों में बहुत खूबसूरत लग रही हो?’

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘अच्छा ?’
‘हाँ इनमें तो तुम जोधा अकबर वाली एश्वर्या राय ही लग रही हो ?’
‘हाँ दीदी भी ऐसा ही बोलती हैं !’
‘कौन मधुर ?’

‘हाँ… वो तो कहती हैं कि अगर मेरी लम्बाई थोड़ी सी ज्यादा होती और आँखें बिल्लोरी होती तो मैं एश्वर्या राय जितनी ही खूबसूरत लगती !’
‘पर मेरे लिए तो तुम अब भी एश्वर्या राय ही हो ?’ मैंने हंसते हुए उसके गालों पर चुटकी काटते हुए कहा। उसने शरमा कर अपने नज़रें झुका ली।

हम लोग खाना भी खाते जा रहे थे और साथ साथ बातें भी करते जा रहे थे। खाना लगभग ख़त्म हो ही गया था। अचानक अंगूर जोर जोर से सी… सी… करने लगी। शायद उसने भिन्डी के साथ तीखी साबुत हरी मिर्च पूरी की पूरी खा ली थी।

‘आईईइइ… सीईईई ?’
‘क्या हुआ ?’
‘उईईईइ अम्माआ… ये मिर्ची तो बहुत त… ती… तीखी है… !’
‘ओह… तुम भी निरी पागल हो भला कोई ऐसे पूरी मिर्ची खाता है ?’
‘ओह… मुझे क्या पता था यह इतनी कड़वी होगी मैंने तो आपको देखकर खा ली थी ?
आईइइ… सीईई…’
‘चलो अब वाश-बेसिन पर… जल्दी से ठन्डे पानी से कुल्ली कर लो !’

मैंने उसे बाजू से पकड़ कर उठाया और इस तरह अपने आप से चिपकाए हुए वाशबेसिन की ओर ले गया कि उसका कमसिन बदन मेरे साथ चिपक ही गया। मैं अपना बायाँ हाथ उसकी बगल में करते हुए उसके उरोजों तक ले आया। वो तो यही समझती रही होगी कि मैं उसके मुँह की जलन से बहुत परेशान और व्यथित हो गया हूँ। उसे भला मेरी मनसा का क्या भान

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हुआ होगा। गोल गोल कठोर चूचों के स्पर्श से मेरी अंगुलियाँ तो धन्य ही हो गई।

वाशबेसिन पर मैंने उसे अपनी चुल्लू से पानी पिलाया और दो तीन बार उसने कुल्ला किया। उसकी जलन कुछ कम हो गई। मैंने उसके होंठों को रुमाल से पोंछ दिया। वो तो हैरान हुई मेरा यह दुलार और अपनत्व देखती ही रह गई।

मैंने अगला तीर छोड़ दिया 'अंगूर अब भी जलन हो रही हो तो एक रामबाण इलाज़ और है मेरे पास!'

पढ़ते रहिए…

कई भागों में समाप्य

premguru2u@yahoo.com

premguru2u@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा-2

आपने अब तक पढ़ा.. मेरी पत्नी सरिता सुहाग सेज पर थी और मैं सरिता की पैन्टी को उतारने लगा, सरिता ने मना कर दिया। अब आगे.. पर मैं भी कहाँ रुकने वाला था, उस पर दबाव डालकर उतार ही डाला, […]
Full Story >>>

चुद गई पापा की परी-1

कुछ पाठकों ने होस्टल से पहले की मेरी लाइफ के बारे में लिखने को बोला, मेरे प्रिय पाठकों की यह मांग मुझे भी पसंद आई। फिलहाल मेरी शुरूआती पारिवारिक जिंदगी के बारे में इस कहानी में पढ़िए। मैं अपने घर […]
Full Story >>>

पड़ोसन लड़की ने मुझे पटा कर चूत चुदवाई

नमस्कार दोस्तो.. मेरा नाम गोलू है। आज पहली बार मैं अपनी कहानी लिखने जा रहा हूँ। बात उस समय की है जब मैं 22 साल का था। मेरे पड़ोस में एक आंटी रहती थीं, उनका एक स्कूल था, मेरी उन […]
Full Story >>>

दोस्त की बुआ के घर में तीन चूत-5

मैंने नाश्ता किया और अभी क्लाइंट के पास पहुँचा भी नहीं था कि फ़ोन बज गया, दिव्या का था- बड़े जालिम हो तुम राज… ‘क्यों जी, मैंने क्या किया ?’ ‘मैंने क्या किया… जानते हो आग लगी पड़ी है बदन में… […]
Full Story >>>

मेरी छात्रा की चूत चुदवाने की ललक

दोस्तो, यह मेरी पहली कहानी है, आशा करता हूँ आप लोगों को पसंद आएगी। मैंने अन्तर्वासना की बहुत सी कहानियाँ पढ़ी हैं तो सोचा कि मैं अपनी कहानी भी भेजूं। बात कुछ समय पहले की है, मैं जॉब करता था। […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Sex Chat Stories

Daily updated audio sex stories.

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স ষ্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire